पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी तथ्य चार्ट
लिंग शब्दावली और लिंग-डिस्फोरिया

लिंग-पहचान क्या होती है ?

लिंग-पहचान एक व्यक्ति की स्वयं की आंतरिक अवधारणा है, जो पुरुष, महिला, दोनों, दोनों में से कोई नहीं या कुछ और हो सकती है । कभी-कभी एक बच्चे की लिंग-पहचान जन्म के समय सौंपे गए लिंग से मिल सकती है और कभी नहीं भी मिल सकती है । हम उन युवकों का वर्णन "ट्रांसजेंडर" से करते हैं, जो जन्म के समय सौंपे गए लिंग के अलावा किसी अन्य लिंग से स्वयं की पहचान करते हैं । उदाहरण के लिए, किसी बच्चे को जन्म के समय पुरुष लिंग निर्धारित किया गया हो, लेकिन वे स्वयं की अवधारणा महिला के रूप में करते हों (ट्रांसजेंडर नारी), और किसी बच्चे को जन्म के समय नारी लिंग निर्धारित किया गया हो, लेकिन वे स्वयं की अवधारणा पुरुष के रूप में करते हों (ट्रांसजेंडर पुरुष) । गैर-बाइनरी उन्हें कहा जाता है जो न तो पुरुष, न ही महिला के रूप में स्वयं की पहचान करते हैं । लिंग-पहचान और लिंग की अभिव्यक्ति (जो शारीरिक और व्यवाहरिक रूप में प्रदर्शित होती है, जैसे कि कपड़े या बालों का वेश) समान नहीं हैं । लिंग-पहचान यौन अभिविन्यास से भी अलग है, जैसे की कोई प्रेम-पूर्ण रूप से या यौन रूप से किसकी और आकर्षित होता है ।

लिंग-पहचान में विविधता के क्या कारण हैं ?

ज्यादातर लोगों में लिंग-पहचान में विविधता होने का कोई कारण नहीं मिलता । आनुवंशिक, हार्मोनल, पर्यावरण या मनोवैज्ञानिक कारणों के संभावित योगदान पर अनुसंधान चल रहा है । जिन व्यक्तियों में यौन विकास साधारण पुरुष या महिला से अलग होता है उनमें लिंग-पहचान अलग हो सकती है । लेकिन लिंग-पहचान में विविधता रखने वाले ज्यादातर लोगों में शारीरिक विकास साधारण होता है ।

लिंग-डिस्फोरिया क्या होता है ?

लिंग-डिस्फोरिया का अर्थ है किसी व्यक्ति की लिंग-पहचान और जन्म के समय निर्धारित किए गए लिंग के बीच अंतर होने के कारण मानसिक तनाव या असुविधा का होना । इसका कारण जन्म के समय निर्धारित किए गए लिंग से संबंधित भूमिका या शारीरिक विशेषताएं हो सकती हैं । छोटे बच्चों में "लिंग-विस्तारक" व्यवहार सामान्य है और यह साधारण विकास का हिस्सा हो सकता है । अनुसंधान के मुताबिक़ जो बच्चे लगातार और आग्रहपूर्ण लिंग-डिस्फोरिया का अनुभव करते हैं या जिन्हें काफी मानसिक तनाव महसूस होता है, उनका बड़े होकर ट्रांसजेंडर रहने की ज़्यादा सम्भावना है । कुछ ट्रांसजेंडर बच्चों को लिंग-डिस्फोरिया बचपन में नहीं होता, लेकिन किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक बदलावों के कारण हो सकता है ।

लिंग-डिस्फोरिया का डायग्नोसिस कैसे होता है ?

एक योग्य चिकित्सक या मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सक द्वारा लिंग-डिस्फोरिया के डायग्नोसिस की पुष्टि करवायी जाती है । फ़िलहाल लिंग-डिस्फोरिया को एक मनोवैज्ञानिक डायग्नोसिस माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों का विश्वास है की लिंग-डिस्फोरिया एक बीमारी नहीं है ।

लिंग-डिस्फोरिया से प्रभावित व्यक्तियों में चिंता और डिप्रेशन हो सकता है । ट्रांसजेंडर व्यक्तियों में अपने आप को नुकसान देने वाला व्यवहार या आत्महत्या के

विचार देखे जा सकते हैं। इसलिए बहुत जरूरी है कि उन्हें मनोवैज्ञानिक सहायता मिले। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को परिवार का समर्थन मिलना भी बहुत ज़रूरी है।

लिंग-डिस्फोरिया को कम करने के लिए किस तरह के उपचार उपलब्ध हैं?

ट्रांसजेंडर चिकित्सा का लक्ष्य है व्यक्ति के लिंग-पहचान का समर्थन करना और लिंग-डिस्फोरिया में सुधार लाना। नकारात्मक व्यवहार जैसे की व्यक्तियों को ट्रांसजेंडर होने से बदलने का प्रयास नुकसान दे सकता है और काफी राज्यों में अवैध भी है। कुछ ट्रांसजेंडर व्यक्ति अपनी लिंग-पहचान के अनुरूप शारीरिक बदलाव करवाना चाहते हैं और कुछ नहीं। व्यक्तिगत वित्तीय क्षमता, दवाइयों और इलाज तक पहुंच और बीमा कवरेज से लिंग के बदलने के उपचार सीमित हो सकते हैं।

सामाजिक, चिकित्सक और सर्जिकल जैसे विभिन्न प्रकार के संक्रमण उपलब्ध हैं। लिंग-डिस्फोरिया को कम करने से स्वास्थ्य परिणामों में सुधार देखा गया है। सामाजिक संक्रमण नाम और सर्वनाम के उचित उपयोग के माध्यम से दूसरों को अपने लिंग की पहचान के बारे में जागरूक करता है। विशेष तरह के कपड़े पहने से या बाल बनाने से भी ट्रांसजेंडर व्यक्ति अपने लिंग की पहचान करवा सकते हैं। चिकित्सक संक्रमण में दवाइयों का इस्तेमाल किया जाता है जो अवांछित यौवन को रोक सकती हैं। शारीरिक परिवर्तनों के लिए एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरोन का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। सर्जिकल संक्रमण से स्तन, जननांग और शरीर के अन्य अंगों को बदला जा सकता है। कुछ चिकित्सक और सर्जिकल इलाज प्रतिवर्ती हैं और कुछ नहीं हैं। ट्रांसजेंडर युवाओं के लिए कोई भी सही या गलत रास्ता नहीं है। सभी को परिवार, समुदाय और अपने चिकित्सकों के समर्थन की आवश्यकता होती है।

यह जानकारी पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसायटी के मरीज शिक्षा अनुभाग की सहायता से छपी है।

PES PEDIATRIC ENDOCRINE SOCIETY